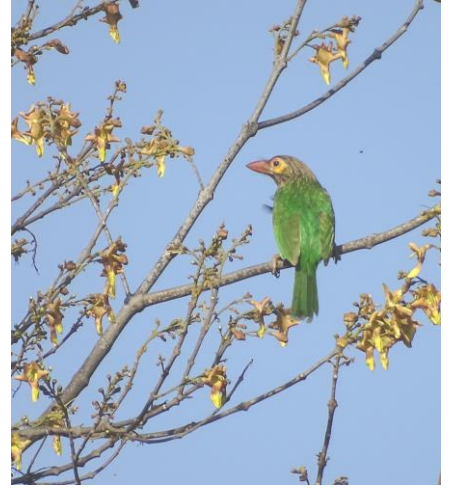


## कोरोना का खौफ और जीनेका शौक

समय समय की बात है,  
समय की कभी कमी थी, अब समय ही समय है।  
आते जाते बारबेटकी आवाज सुनती थी,  
पर उनको पेडकी हरीयाली मे देख नही पाती थी।  
अब ठण्डी सुबह, आलसी दोपहर, शांत श्याम  
घंटो बरामदेमे बिन बैगमे बैठकर देखती हूँ,  
हरे बारबेटस् को हरे पत्तोसे अलग कर पाती हूँ।  
बुलबुलोंके चहकनेमे सवाल जवाब समझ लेती हूँ  
और सातभाईयोंके बिलबिलाटमें आपसी संवाद जान लेती हूँ मै।



समय समय की बात है,  
समय की कभी कमी थी, अब समय ही समय है।  
मेरा आकाश छोटा है और उसमे लाक डाउन नही है।  
बगुलोंका आना जाना चालू है, उसका समय मुझे पता है,  
सफेद कबुतरोंका उडनेका रुटभी पता है।  
लगता है, सोशल डिस्टेंसिंग का बगुलोंको पहलसे पता है।  
राबिन किस टहनीपे बैठता है, और  
हार्नबिलको पीपल का पेड पसंद है,  
मेरे सब ध्यानमे आता है।



समय समय की बात है,  
समय की कभी कमी थी, अब समय ही समय है।  
मेरे मनमे भी बारबेट, ड्रोंगो, पपिहे छुपे थे,  
उनकी आवाज मै दबा देती थी,  
और समय के अभाव को कोसती रहती थी।



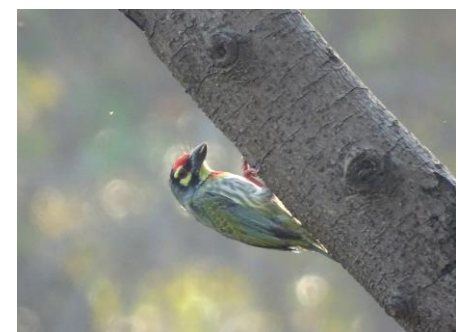
अब अलमारिसे निकाल पाई  
सुई धागे, लाल, निले और हरे।  
मनकी रंगबिरंगी तितलिया कढ़ाईसे उतर आई,  
और  
मनके साथ फुलोपर मँडराने लगी।  
ब्रश भी निकले, रंगोकी बौछार आई,  
साडीयोंके किनारेपे फुलोंकी बहार आई।

मनसे काले बादल हटने लगे, खुषियोंकी बरसात हुई।  
शांत आसमानकी नीलिमा मनमे उतर आई।  
शौक के ठंडे झोके से, कलाके झुलेमे मन झुमने लगा।

समय समय की बात है,  
समय की कभी कमी थी, अब समय ही समय है।

कोरोना तो जाएगा, कुछ लोगोंके अंत का कारण होगा।  
कोरोनाके बिना भी जिवन सिमीत है,  
तबभी समय के सीमाओमे, समय ही समय है।  
उस समय को ढुंढा करो,  
चित्र बनाओ, बगीचेमे घुमा करो,  
खाली समय मे कभी कभी, खाली बैठा करो।  
गिलहरी, कबुतर से बातें किया करो,  
मनसे अंतरात्मा से संवाद बांधा करो।

समय समय की बात है,  
समय की कभी कमी थी, अब समय ही समय है।



काम तो काम है,  
लेकिन खुदके लिये समय निकालना नहीं है पाप।

कोरोना है बहाना, खुदा चाहता है हमे समझाना,  
जीवन कैसे है बिताना।  
काम, परिवार, समाजसेवा, आराम, कसरत को  
कैसे एकसाथ संभालना।  
कोरोना कांड मे है कई सीख,  
खुदके लिए समय निकालना है उनमेसे एक प्रमुख।

बिजली बचाओ, पानी बचाओ,  
खुदके लिये समय बचाओ।  
सोचो समझो, आराम करो।  
**हफ्ते मे एक दिन, महिनेमे कुछ दिन रिटायर हुआ करो।**  
**धरती, रास्ते और ओझोन के छेद को चंगा होने के लिये**  
**समय दिया करो।**

और reset का बटन दबाने के लिये तैय्यार रहा करो।

शौक से जिओ और जिने का शौक पुरा करो।

शुभा फडके  
2अप्रैल 2020

